an>

Title: Need to convert Gawalior-Sheopur narrow gauge to broad gauge.

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके द्वारा माननीय रेल मंत्री जी का ध्यान एक महत्वाकांक्षी योजना ग्वालियर-शिओपुर नैरोगेज से ब्रॉडगेज के कंवर्जन के प्रोजैक्ट्स की ओर आकर्षित कराना चाहूंगा। ये ग्वालियर लाइट रेलवे के द्वारा 100 साल पूर्व स्थापित की गयी थी और ये 200 किलोमीटर की ट्रैक है। यह दुनिया की सबसे बड़ी नैरोगेज स्थापित हो चुकी है। इस पर 10 घंटे सफर करने में लगते हैं और इसमें हमारे यात्री छत के ऊपर बैठकर सफर करते हैं। ये क्षेत्र बहुत ही पिछड़ा हुआ क्षेत्र है और इसके विकास और प्रगति के लिए जब मेरे पूज्य पिताजी रेल मंत्री थे तो वर्ष 1988 में एक सर्वे कराया था। करीब 360 करोड़ रुपये का यह प्रोजेक्ट बना था। उसके बाद किसी कारणवश यह प्रोजेक्ट स्वीकृत नहीं हो पाया। वर्ष 2006 में इस प्रोजेक्ट का यूपीए सरकार के समय में मैंने सर्वे करवाया था और माननीय ममता बैनर्जी जी तत्कालीन रेल मंत्री थीं। 2011 रेल बजट में यह प्रोजेक्ट करीब 2000 करोड़ रुपये के लिए स्वीकृत हुआ था। 25 मार्च 2010 को रेल राज्य मंत्री मुनियप्पा जी मेरे साथ शिवपुर गये थे। इसका हमने शिलान्यास भी उस समय वहां किया था और फाइनल लोकेशन सर्वे भी वर्ष 2012 में हो चुका था। माननीय नरेन्द्र सिंह तोमर जी जो आज कैबिनेट मंत्री यहां बैठे हुए हैं, उन्होंने भी इस रेल में सफर किया है जब मुरैना के वे उस समय सांसद थे।

आज यह आश्चर्य और दुख की बात है कि हमें कहा जा रहा है, हमें सूचित किया जा रहा है कि पोजीशन ऑफ पेंडिंग एस्टीमेट्स में यह प्रोजेक्ट सरकार द्वारा ड्रॉप करने के लिए रखा गया है। यह एक आदिवासी क्षेत्र है। यह एक बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है और जब सरकार के किसी मंत्री ने इसका शिलान्यास भी कर दिया और पिंक बुक में ममता बैनर्जी जी ने इसकी घोषणा भी कर दी तो यह एक बहुत ही दर्दनाक दृश्य होगा कि अगर इस प्रोजेक्ट को ड्रॉप किया जाए। इसलिए मैं आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी एवं प्रधान मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है। यू.पी.ए. सरकार ने अंतरिम रेल बजट इस प्रोजेक्ट के लिए बीस करोड़ रुपये आबंटित भी किये थे और अगर यह प्रोजेक्ट ड्रॉप किया गया तो उस क्षेत्र की जनता के प्रति यह घोर अन्याय होगा, ऐसा हमारा सरकार से निवेदन है। धन्यवाद।